परिवर्धित-संशोधित

सरस्वती

नई दीप मणिका

संस्कृत-पाठ्यपुस्तकम्

लेखिका

सरोज कुशल

होली चाइल्ड ऑक्ज़ीलियम स्कूल

वसंत विहार

नई दिल्ली

4

परिचय

© New Saraswati House (India) Private Limited

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

NEW SARASWATI HOUSE

Head Office : Second Floor, MGM Tower, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)
Registered Office : A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi–110 044

Phone : +91-11-4355 6600
Fax : +91-11-4355 6688
E-mail : delhi@saraswatihouse.com
Website : www.saraswatihouse.com
CIN : U22110DL2013PTC262320
Import-Export Licence No. 0513086293

Branches:
- Ahmedabad: Ph. 079-2657 5018 • Bengaluru: Ph. 080-2675 6396
- Chennai: Ph. 044-2841 6531 • Dehradun: Ph. +91-98374 52852
- Guwahati: Ph. 0361-2457 198 • Hyderabad: Ph. 040-4261 5566 • Jaipur: Ph. 0141-4006 022
- Jalandhar: Ph. 0181-4642 600, 4643 600 • Kochi: Ph. 0484-4033 369 • Kolkata: Ph. 033-4004 2314
- Lucknow: Ph. 0522-4062 517 • Mumbai: Ph. 022-2876 9871, 2873 7090
- Nagpur: Ph. +91-70661 49006 • Patna: Ph. 0612-2275 403 • Ranchi: Ph. 0651-2244 654

Revised edition 2019
Reprinted 2020

ISBN: 978-93-52727-52-0

The moral rights of the author has been asserted.

© New Saraswati House (India) Private Limited

Publisher's Warranty: The Publisher warrants the customer for a period of 1 year from the date of purchase of the Book against any Printing/Binding defect or theft/loss of the book.
Terms and Conditions apply: For further details, please visit our website www.saraswatihouse.com or call us at our Customer Care (toll free) No.: +91-1800 2701 460
Jurisdiction: All disputes with respect to this publication shall be subject to the jurisdiction of the Courts, Tribunals and Forums of New Delhi, India Only.
All rights reserved under the Copyright Act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Product Code: NSS2NDM040SKTAB18CBY

This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action.

PRINTED IN INDIA
By Vikas Publishing House Private Limited, Plot 20/4, Site-IV, Industrial Area Sahibabad, Ghaziabad–201 010 and published by New Saraswati House (India) Private Limited, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)

© New Saraswati House (India) Private Limited

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक कक्षा–4 के विद्यार्थियों के लिए लिखी गई है। इसमें छात्रों को संस्कृत की वर्णमाला, वर्णमाला के वर्णों से बनने वाले शब्दों; शब्दों के पुंल्लिग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसकलिंग में विभाजन आदि से परिचित कराया गया है। सुंदर चित्रों के माध्यम से इन शब्दों और उनके अर्थों का ज्ञान कराया गया है। वर्ण संयोग से शब्द बनाना और शब्दों का वर्ण विच्छेद करना भी सिखाया गया है। धातुओं और उनसे बनने वाले प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा उत्तम पुरुष एकवचन के क्रियापदों से भी परिचित कराया गया है। नित्य जीवन में प्रयोग में आने वाले सर्वनामों और अव्ययों के बारे में भी बताया गया है। इन सबकी सहायता से छात्र संस्कृत के छोटे–छोटे वाक्य बनाने में समर्थ हो सकेंगे तथा उनमें संस्कृत को एक भाषा के रूप में पढ़ने की रुचि उत्पन्न होगी। अभ्यास और गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थियों को भाषा को समझने और अपने भाषा–कौशल को बढ़ाने का अवसर मिलेगा। वर्ग पहेलियों और चित्र–पहेलियों के द्वारा छात्रों की संस्कृत शब्दों को पहचानने और भाषा में प्रयोग करने की क्षमता का विकास होगा।

आशा है कि यह छोटा–सा प्रयास संस्कृत के पठन–पाठन में छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

–सरोज कुशल

© New Saraswati House (India) Private Limited

विषय सूची

- वन्दना 5
- मधुरं संस्कृतम् 6

1. वर्णमाला 7

- व्यञ्जनवर्णाः 20

2. वर्ण–परिचय 21
3. शब्द–परिचय 25
4. अकारान्त पुंल्लिग शब्द 29

- शीघ्रं शीघ्रम् 34

5. आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द 36
6. अकारान्त नपुंसकलिंग शब्द 41
7. धातु–परिचय (क्रिया का ज्ञान) 47
8. सर्वनाम–परिचय 52
9. अव्यय–परिचय 56
10. पशु–पक्षियों के नाम 59

- मधुरं पक्षि–रवम् 64

11. फलों के नाम 66
12. शरीर के अंग 70

- आत्मपरिचयः 74

13. विद्यालयः 76

© New Saraswati House (India) Private Limited

वन्दना

त्वमेव माता च पिता त्वमेव,
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देव-देव॥

असतो मा सद्गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
मृत्योर्मा अमृतं गमय

© New Saraswati House (India) Private Limited

मधुरं संस्कृतम्

शृणोमि मधुरं संस्कृतम्
वदामि मधुरं संस्कृतम्।
पठामि मधुरं संस्कृतम्
लिखामि मधुरं संस्कृतम्॥

–श्री सम्पदानन्दः मिश्रः
(पुस्तकम्– शनैः शनैः)

© New Saraswati House (India) Private Limited

1

वर्णमाला

स्वराः

अ

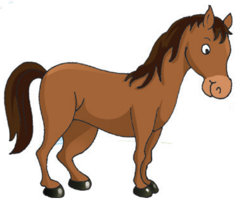
अश्वः

अग्निः

अजा

आ

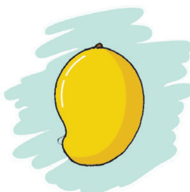
आम्रम्

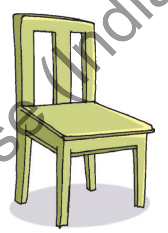
आसन्दिका

आचार्यः

इ

इक्षुः

इन्दुः

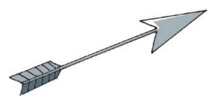
इषुः

ई

ईशः

ईषीका

© New Saraswati House (India) Private Limited

उ

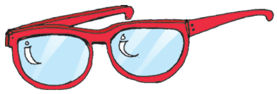
उपनेत्रम्

उष्ट्रः

उपवनम्

ऊ

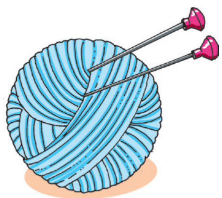
ऊर्णः

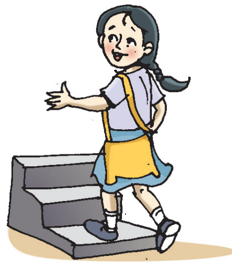
ऊर्ध्वः

ऊष्मा

ऋ

ऋषिः

ऋक्षः

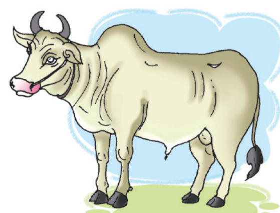
ऋषभः

ए

एडकः

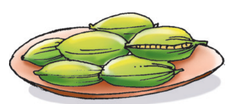
एला

एणः

ऐ

ऐन्द्रजालिकः

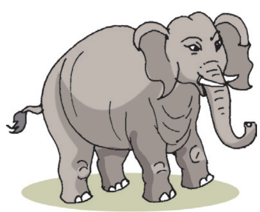
ऐरावतः

ऐरिणम्

© New Saraswati House (India) Private Limited

ओ

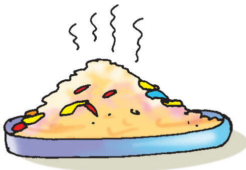

ओदनम्

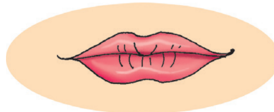

ओष्ठः

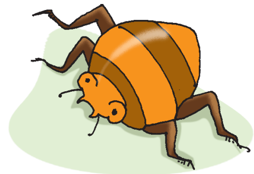

ओकणः

औ

औदनिकः

औषधिः

औषधालयः

अं

अं

अः

अः

व्यञ्जनानि

क

कपोतः

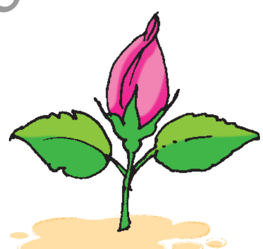

कलिका

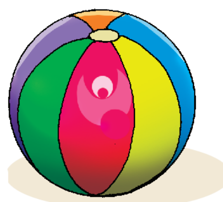

कन्दुकः

ख

खगः

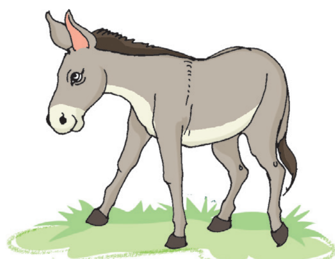

खरः

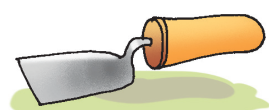

खनित्रम्

© New Saraswati House (India) Private Limited

ग

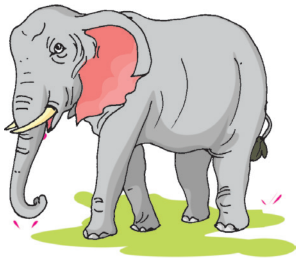

गजः

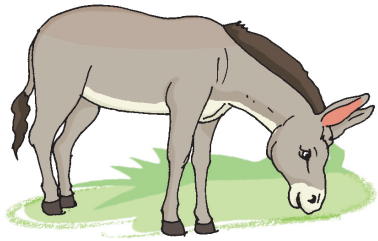

गर्दभः

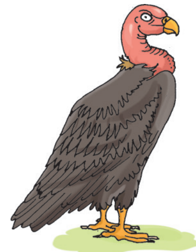

गरुडः

घ

घटः

घटिका

घनः

ङ

च

चटका

चषकः

चरणः

छ

छागः

छत्रम्

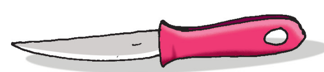

छुरिका

© New Saraswati House (India) Private Limited

ज

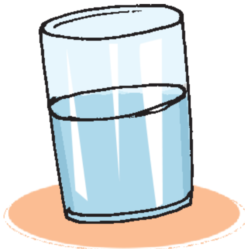

जलम्

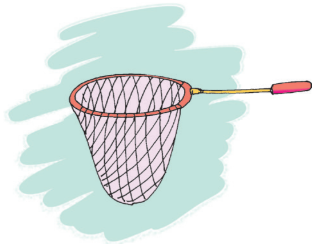

जालम्

जटा

झ

झषः

झटिः

झरः

ञ

ट

टककः

टोपरः

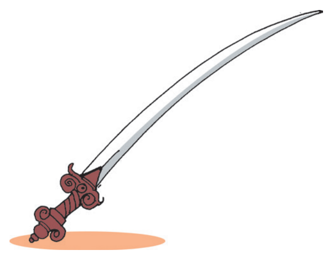

टंगः

ठ

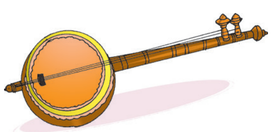

ठंसरी

ठक्कः

ठक्कुरः

© New Saraswati House (India) Private Limited

ड

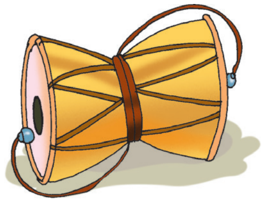

डमरुः

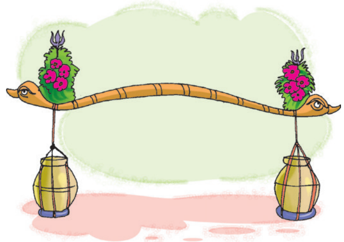

डल्लकम्

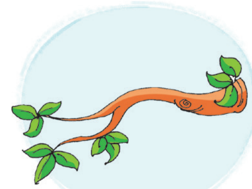

डालः

ढ

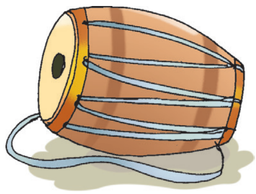

ढक्का

ढालम्

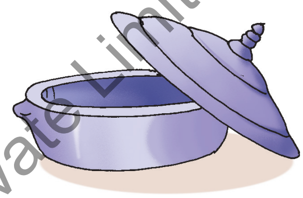

ढक्कनम्

ण

त

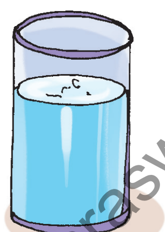

तक्रम्

तक्षकः

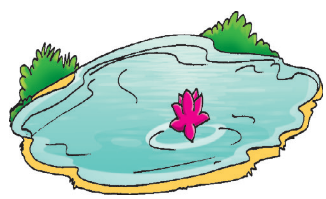

तडागः

थ

थलम्

थलसेनाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

द

दुग्धम्

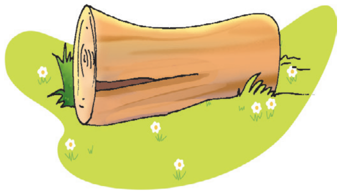

दारुः

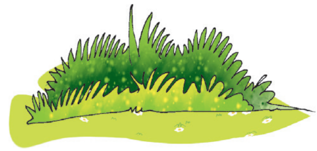

दूर्वा

ध

ध्वजम्

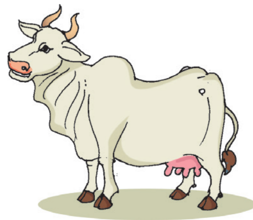

धेनुः

धान्यम्

न

नापितः

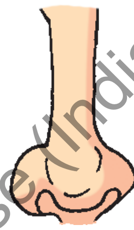

नासिका

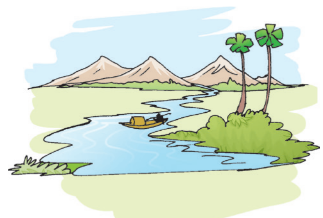

नदी

प

पाचकः

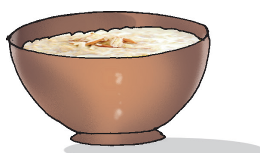

पायसम्

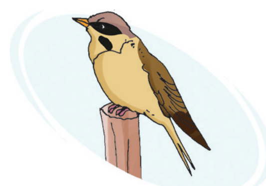

पक्षी

फ

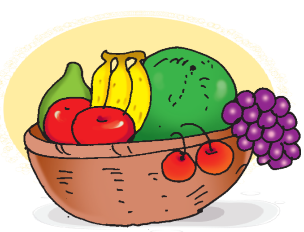

फलम्

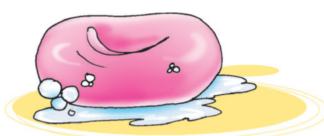

फेनकम्

फणः

© New Saraswati House (India) Private Limited

ब

बकः

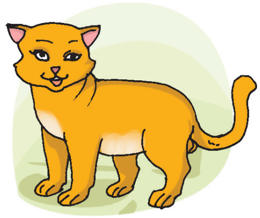
बिडालः

बाहुः

भ

भानुः

भवनम्

भक्तः

म

मयूरः

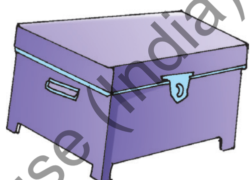
मंजूषा

माला

य

यतिः

यानम्

याचकः

र

रजकः

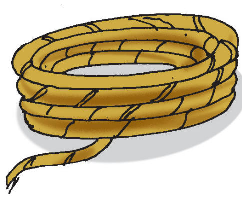
रज्जुः

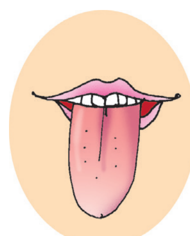
रसना

© New Saraswati House (India) Private Limited

ल

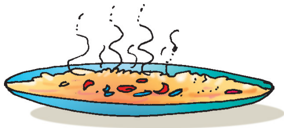

लप्सिका

लेखनी

लता

व

विद्यार्थी

वस्त्रम्

वसुधा

श

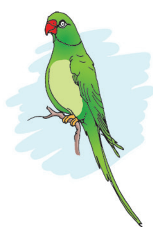

शुकः

शिशुः

शकटम्

ष

षट्

षडाननः

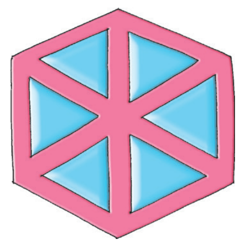

षट्कोणम्

स

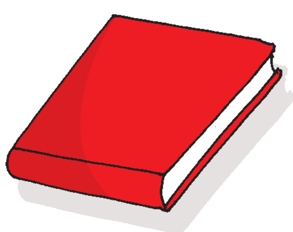

संचिका

सविता

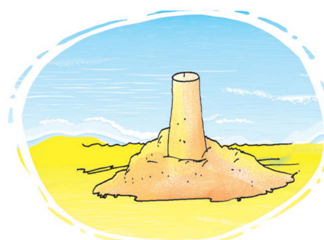

सिकता

© New Saraswati House (India) Private Limited

ह

हस्तः

हिरणः

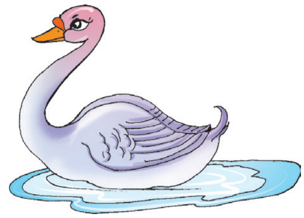

हंसः

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

अश्वः	– घोड़ा	**ऐरावत**	– हाथी	**छागः**	– मेमना
अग्निः	– आग	**ऐरिणम्**	– सेंधा नमक	**छत्रम्**	– छाता
अजा	– बकरी	**ओदनम्**	– पके हुए चावल	**छुरिका**	– छुरी
आम्रम्	– आम	**ओकणः**	– खटमल	**जलम्**	– पानी
आसन्दिका	– कुर्सी	**औषधालयः**	– दवाखाना	**जालम्**	– जाल
आचार्यः	– शिक्षक	**औदनिकः**	– रसोइया/ चावल	**जटा**	– जटा
इक्षुः	– गन्ना		बनाने वाला	**झषः**	– मछली
इन्दुः	– चंद्रमा	**कपोतः**	– कबूतर	**झटिः**	– झाड़ी
इषुः	– तीर	**कलिका**	– कली	**झरः**	– झरना
उपनेत्रम्	– चश्मा	**कन्दुकः**	– गेंद	**टंककः**	– सिक्का
उष्ट्रः	– ऊँट	**खगः**	– पक्षी	**टोपरः**	– छोटा थैला
उपवनम्	– बगीचा	**खरः**	– गधा	**टंगः**	– तलवार
ऊर्णः	– ऊन	**खनित्रम्**	– खुरपी	**ठंसरी**	– एकतारा
ऊर्ध्वः	– ऊपर	**गजः**	– हाथी	**ठक्कः**	– व्यापारी
ऊष्मा	– गर्मी	**गर्दभः**	– गधा	**ठक्कुरः**	– मुखिया
ऋषिः	– ऋषि	**गरुडः**	– गरुड़ पक्षी	**डमरुः**	– डमरू
ऋक्षः	– भालू	**घटः**	– घड़ा	**डल्लकम्**	– बहँगी
ऋषभः	– बैल	**घटिका**	– घड़ी	**डालः**	– टहनी
एडकः	– भेड़	**घनः**	– बादल	**ढक्का**	– ढोल
एला	– इलायची	**चटका**	– चिड़िया	**ढालम्**	– ढाल
एणः	– हिरन	**चषकः**	– गिलास	**ढक्कनम्**	– ढक्कन
ऐन्द्रजालिकः	– मदारी	**चरणः**	– पाँव	**तक्रम्**	– लस्सी

© New Saraswati House (India) Private Limited

तक्षकः	– बढ़ई	**फणः**	– नाग का फन	**लता**	– बेल
तडागः	– तालाब	**बकः**	– बगुला	**विद्यार्थी**	– छात्र
थलम्	– जमीन	**बिडालः**	– बिल्ला	**वस्त्रम्**	– कपड़ा
थलसेनाः	– सेना	**बाहुः**	– भुजा	**वसुधा**	– पृथ्वी
दुग्धम्	– दूध	**भानुः**	– सूर्य	**शुकः**	– तोता
दारुः	– लकड़ी	**भवनम्**	– भवन	**शिशुः**	– बच्चा
दूर्वा	– घास	**भक्तः**	– भक्त	**शकटम्**	– गाड़ी
ध्वजम्	– झंडा	**मयूरः**	– मोर		(लकड़ी की)
धेनुः	– गाय	**मंजूषा**	– बक्सा	**षट्**	– छः
धान्यम्	– अनाज	**माला**	– माला	**षडाननः**	– छः मुँह वाला
नापितः	– नाई	**यतिः**	– संन्यासी	**षट्कोणम्**	– छः कोनों
नासिका	– नाक	**यानम्**	– वाहन		वाला
नदी	– नदी	**याचकः**	– भिखारी	**संचिका**	– कॉपी
पाचकः	– रसोइया	**रजकः**	– धोबी	**सविता**	– सूर्य
पायसम्	– खीर	**रज्जुः**	– रस्सी	**सिकता**	– रेत
पक्षी	– पक्षी	**रसना**	– जीभ	**हस्तः**	– हाथ
फलम्	– फल	**लप्सिका**	– हलुआ	**हास्यम्**	– हँसी
फेनकम्	– साबुन	**लेखनी**	– कलम	**हंसः**	– हंस

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

1. निम्नलिखित वर्णों से आरंभ होने वाले दो-दो संस्कृत शब्द लिखिए।

उदाहरण– ख खगः खर्बुजम्

(क) व ....

(ख) क ....

(ग) ल ....

(घ) न ....

(ङ) फ ....

(च) ब ....

(छ) इ ....

(ज) ऋ ....

2. शब्दों को अर्थों से मिलाइए।

शब्द	अर्थ
(क) चषकः	(*i*) तोता
(ख) गर्दभः	(*ii*) जीभ
(ग) शुकः	(*iii*) चश्मा
(घ) रसना	(*iv*) गिलास
(ङ) उपनेत्रम्	(*v*) गधा

3. चित्र देखकर संस्कृत में शब्द लिखिए।

(क) 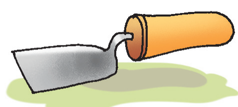 ....

(ख) ....

(ग) 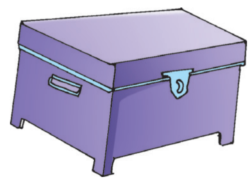 ....

(घ) ....

(ङ) 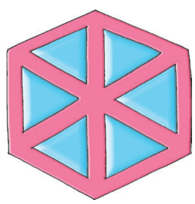 ....

(च) ....

(छ) 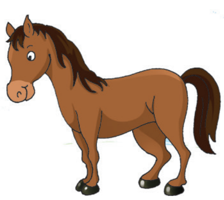 ....

(ज) 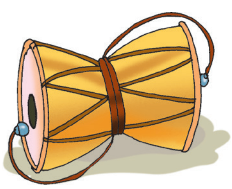 ....

(झ) ....

© New Saraswati House (India) Private Limited

(ञ)

....

(ट) 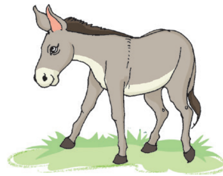

....

(ठ)

....

(ड)

....

(ढ)

....

(ण)

....

क्रियाकलापः

• उदाहरण के अनुसार उचित वर्ण से रिक्त स्थान भरकर दो-दो शब्द बनाइए।

उदाहरण– ना [ ] का → ना [सि] का

क | क

ता | ता

1. नासिका – नाक
2. सिकता – बालू

(क) ब
शु [ ]
1. ....
2. ....

(ख) क
लि
छु रि [ ]
1. ....
2. ....

(ग) पा [ ] कः
ष
कः
1. ....
3. ....

(घ) ढा
ज [ ] म्
म्
1. ....
2. ....

(ङ) ल
स वि [ ]
1. ....
2. ....

(च) उप [ ] नम्
स्त्र
म्
1. ....
3. ....

इसी प्रकार छात्र अन्य अन्य वर्ग-पहेलियाँ भी हल कर सकते हैं।

© New Saraswati House (India) Private Limited

व्यञ्जनवर्णाः

कखौ गघौ ङः।
चछौ जझौ ञः॥

टठौ डढौ णः।
तथौ दधौ नः॥

पफौ बभौ मः।
यरौ लवौ शः॥

ततः षसौ हः।
वर्णाः क्रमशः॥

एते भवन्ति व्यञ्जनवर्णाः।
गायत् एतान् सुखेन बालाः॥

—श्री सम्पदानन्दः मिश्रः
(पुस्तकम्— शनैः शनैः)

© New Saraswati House (India) Private Limited

2

वर्ण–परिचय

पिछले पाठ में हम वर्णमाला से परिचित हो चुके हैं। संस्कृत और हिंदी के वर्णों को लिखने के लिए एक ही लिपि का प्रयोग होता है, जिसे देवनागरी कहते हैं। देवनागरी लिपि में सभी वर्णों को दो भागों में बाँटा जाता है।

स्वर– ऐसे वर्ण जो कि स्वतंत्र रूप से बोले जाते हैं स्वर कहलाते हैं। इनकी संख्या 13 है। अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन– ऐसे वर्ण जिन्हें बोलने में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, व्यंजन कहलाते हैं। संस्कृत में सभी व्यंजन हलंत होते हैं। ये संख्या में 33 हैं।

क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
त्	थ्	द्	ध्	न्
प्	फ्	ब्	भ्	म्
य्	र्	ल्	व्	
श्	स्	स्	ह्	

विशेष– सभी व्यंजनों के नीचे आप हल चिह्न (्) लगा हुआ देख रहे हैं क्योंकि जब तक इनमें स्वर नहीं जुड़ता, ये अधूरे रहते हैं।

जब व्यंजनों में स्वर जुड़ते हैं तो हल चिह्न (्) का लोप हो जाता है और व्यंजनों में स्वरों की मात्राएँ जुड़ जाती हैं।

© New Saraswati House (India) Private Limited

स्वरों की मात्राएँ इस प्रकार हैं–

अ (की मात्रा नहीं होती, व्यंजन के साथ जुड़ने से हल् (्) का लोप हो जाता है)

आ (ा) इ (ि) ई (ी) उ (ु) ऊ (ू) ऋ (ृ)

ए (े) ऐ (ै) ओ (ो) औ (ौ) अं (ं) अः (ः)

जैसे–

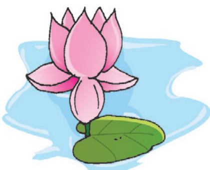

क् + अ = क (हल (्) चिह्न का लोप)

ख् + आ = खा

ब् + ए = बे

ज् + इ = जि

म् + ऐ = मै

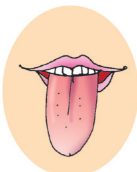

ठ् + ई = ठी

य् + ओ = यो

त् + उ = तु

ल् + औ = लौ

द् + ऊ = दू

व् + अं = वं

प् + ऋ = पृ

श् + अः = शः

यहाँ स्पष्ट हो जाता है कि जिस भी व्यंजन में स्वर जुड़ जाता है, उसमें से हल् (्) चिह्न हट गया है और स्वर की मात्रा जुड़ गई है।

व्यंजन में व्यंजन जोड़ने पर **संयुक्त व्यंजन** बनते हैं। तीन प्रमुख संयुक्त व्यंजन इस प्रकार हैं–

क् + ष् = क्ष् ⟶ क्ष् + अ = क्ष

त् + र् = त्र् ⟶ त्र् + अ = त्र

ज् + ञ् = ज्ञ् ⟶ ज्ञ् + अ = ज्ञ

इन तीनों संयुक्त व्यंजनों के बारे में आप हिंदी में पढ़ चुके हैं।

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

1. संस्कृत और हिंदी की लिपि का नाम लिखिए। ....
2. दो संयुक्त व्यंजन लिखिए। ....
3. निम्नलिखित में से स्वर और व्यंजन अलग कीजिए।

ज्, ऋ, ओ, प्, च्, इ, उ, न्, आ, ह्

स्वर	व्यंजन
....	....

4. व्यंजनों में स्वरों की मात्रा जोड़कर लिखिए।

(क) र्+ए – .... (ख) क्+ऋ – .... (ग) ग्+ऐ – ....

(घ) ल्+ओ – .... (ङ) प्+ई – .... (च) म्+आ – ....

(छ) भ्+अ – .... (ज) ट्+औ – .... (झ) घ्+इ – ....

5. निम्नलिखित वर्णों में से व्यंजनों और स्वरों को अलग कीजिए।

(क) सि – ......+...... (ख) पौ – ......+...... (ग) हा – ......+......

(घ) मृ – ......+...... (ङ) यू – ......+...... (च) मै – ......+......

(छ) गो – ......+...... (ज) री – ......+...... (झ) ख – ......+......

क्रियाकलापः

1. छात्र अलग-अलग व्यंजनों में सभी स्वरों की मात्राएँ लगाकर सुंदर चार्ट बनाएँ और कक्षा में सजाएँ; जैसे–

व्यंजन (+)	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क्	क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः

© New Saraswati House (India) Private Limited

2. छात्र उदाहरण के अनुसार चित्र देखकर मात्रायुक्त व्यंजनों से संस्कृत शब्द और उनका अर्थ लिखें।

मात्रायुक्त वर्ण	चित्र	शब्द	अर्थ
पि		पिकः	कोयल
ले		....	....
भा		....	....
शि		....	....
वि		....	....

इसी प्रकार छात्रों से और शब्द बनवाकर उनका अर्थ लिखवा सकते हैं।

© New Saraswati House (India) Private Limited

याद रखें

संस्कृत की वर्णमाला में सभी व्यंजन हलंत होते हैं तथा जब तक उनमें स्वरों की मात्रा नहीं लगती ये अपूर्ण रहते हैं। स्वरों की मात्रा लगने पर हल् (्) का लोप हो जाता है; जैसे–
क् + अ = क, ग् + ई = गी आदि।

3 शब्द–परिचय

स्वरों और व्यंजनों को मिलाकर बनने वाले वर्णों के **सार्थक समूह** को शब्द कहते हैं; जैसे– शिशु, ऋतु, पशु, कलम, लता, बाला, फल आदि।

आइए, अब हम देखें कि ये शब्द किन–किन व्यंजनों और स्वरों के योग से बने हैं–

शिशु = श् + इ + श् + उ

कलम = क् + अ + ल् + अ + म् + अ

बाला = ब् + आ + ल् + आ

शब्दों को व्यंजनों और स्वरों में बाँटने की इस विधि को **वर्ण–विच्छेद** कहते हैं।

इसी प्रकार व्यंजनों और स्वरों को मिलाकर शब्द बनाने की विधि को **वर्ण–संयोग** कहते हैं; जैसे–

ऋ + त् + उः = ऋतुः

ल् + अ + त् + आ = लता

फ् + अ + ल् + अ + म् = फलम्

© New Saraswati House (India) Private Limited

संस्कृत में जिस स्वर या व्यंजन से किसी शब्द का अंत होता है, उसे उसी स्वर या व्यंजन से अंत होने वाला कहते हैं; जैसे–

उपर्युक्त उदाहरणों में स्वरान्त शब्द इस प्रकार हैं–

शिशु और ऋतु शब्द उकारान्त हैं।

कलम और फल शब्द अकारान्त हैं।

बाला और लता शब्द आकारान्त हैं।

इसी प्रकार व्यंजनों से अंत होने वाले शब्द उसी व्यंजन से व्यंजनान्त होते हैं; जैसे–

जगत् = ज् + अ + ग् + अ + त् (तकारान्त)

मनस् = म् + अ + न् + अ + स् (सकारान्त)

गुणिन् = ग् + उ + ण् + इ + न् (नकारान्त)

विशेष– उपर्युक्त उदाहरणों में प्रत्येक शब्द के अंत में व्यंजन है इसलिए इन्हें 'व्यंजनान्त' नाम दिया गया है। संस्कृत में सभी व्यंजन हलंत अर्थात् हल् चिह्न (्) से युक्त होते हैं इसलिए ऐसे सभी शब्दों को हलन्त भी कहते हैं।

अभ्यास

1. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

उदाहरण– पशु = प् + अ + श् + उ: उकारान्त

(क) कवि = ... + ... + ... + ...

(ख) कथा = ... + ... + ... + ...

(ग) नदी = ... + ... + ... + ...

(घ) धेनुः = ... + ... + ... + ...

(ङ) राजन् = ... + ... + ... + ... + ...

(च) ढक्का = ... + ... + ... + ... + ...

© New Saraswati House (India) Private Limited

2. वर्ण संयोग से रिक्त स्थान भरिए।

उदाहरण—भ् + ऊ + म् + इः = भूमिः

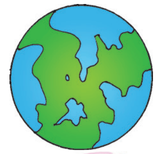

(क) प् + अ + त् + र् + अ + म् = प......

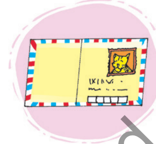

(ख) क् + ऊ + प् + अः = ...प

(ग) क् + अ + म् + अ + ल् + अ + म् = क......लम्

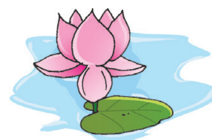

(घ) व् + इ + ज् + अ + य् + अः = ...जयः

(ङ) प् + उ + ष् + प् + अ + म् = पु......म्

(च) व् + आ + न् + अ + र् + अः = ...नरः

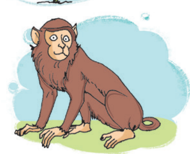

3. निम्नलिखित शब्दों में अकारान्त, उकारान्त और इकारान्त शब्दों को अलग कीजिए—

कुसुम, धेनु, सूर्य, मति, साधु, रमेश, कवि, पशु, नयन, ऋषि, गुरु, मुनि

अकारान्त	इकारान्त	उकारान्त
....	....	....
....	....	....

© New Saraswati House (India) Private Limited

क्रियाकलापः

1. अपनी कक्षा के चार सहपाठियों के नाम लिखकर उनका वर्ण विच्छेद कीजिए।

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

2. उदाहरण के अनुसार वर्ण संयोग करके शब्द लिखिए और चित्र बनाइए।

उदाहरण– क् + उ + क् + क् + उ + र् + अः ⟶ कुक्कुरः

(क)

श् + उ + क् + अः =

= ....

(ख)

ग् + अ + ज् + अः

= ....

(ग)

प् + अ + त् + र् + अ + म्

= ....

(घ)

ब् + आ + ल् + अ + क + अः

= ....

इसी प्रकार छात्र अन्य शब्दों का सचित्र अभ्यास करें।

© New Saraswati House (India) Private Limited

4 अकारान्त पुंल्लिग शब्द

संस्कृत में तीन लिंग होते हैं– 1. पुंल्लिग 2. स्त्रीलिंग 3. नपुंसकलिंग

अकारान्त पुंल्लिग शब्द ऐसे शब्द हैं, जिनके अंत में 'अ' आता है, परंतु जब उन्हें संस्कृत में लिखा जाता है तो शब्द के बाद विसर्ग (:) लगाए जाते हैं; जैसे–

छात्र → छात्रः

जनक → जनकः

शिक्षक → शिक्षकः

नृप → नृपः

श्रमिक → श्रमिकः

चित्रकार → चित्रकारः

मेघ → मेघः

पर्वत → पर्वतः

पादप → पादपः

वृक्ष → वृक्षः

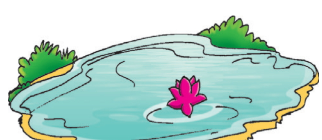

सर → सरः

निशाकर → निशाकरः

© New Saraswati House (India) Private Limited

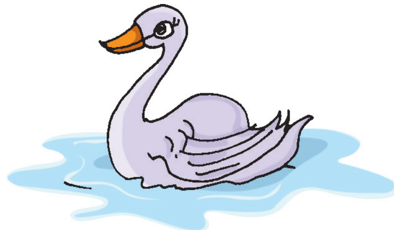 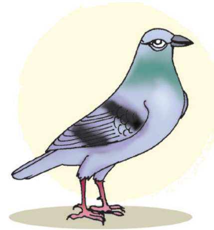

मयूर → मयूरः   हंस → हंसः   कपोत → कपोतः

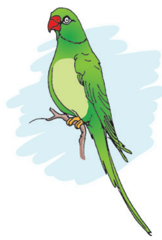

शुक → शुकः   पिक → पिकः   कुक्कुट → कुक्कुटः

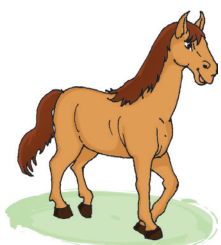 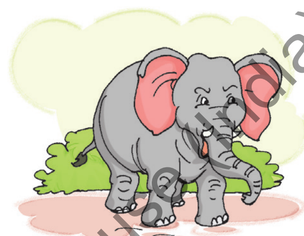

अश्व → अश्वः   गज → गजः   सिंह → सिंहः

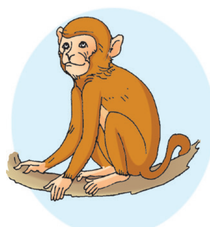

मृग → मृगः   वानर → वानरः   शशक → शशकः

नारिकेल → नारिकेलः   घट → घटः   दीपक → दीपकः

© New Saraswati House (India) Private Limited

कुछ अन्य अकारान्त पुंल्लिग शब्द हैं–

नर	→	नरः	रजक	→	रजकः	नर्तक	→	नर्तकः
गायक	→	गायकः	नायक	→	नायकः	तापस	→	तापसः
मालाकार	→	मालाकारः	कुम्भकार	→	कुम्भकारः	मूर्तिकार	→	मूर्तिकारः
अनिल	→	अनिलः	नभ	→	नभः	पाषाण	→	पाषाणः
अनल	→	अनलः	श्वेत	→	श्वेतः	नील	→	नीलः
बक	→	बकः	काक	→	काकः	उलूक	→	उलूकः
भ्रमर	→	भ्रमरः	वर्तक	→	वर्तकः	चातक	→	चातकः
चटक	→	चटकः	श्येन	→	श्येनः	गृध्र	→	गृध्रः
उष्ट्र	→	उष्ट्रः	वृषभ	→	वृषभः	भल्लुक	→	भल्लुकः
चित्रक	→	चित्रकः	व्याघ्र	→	व्याघः	भुजंग	→	भुजंगः
कच्छप	→	कच्छपः	मूषक	→	मूषकः	मत्स्य	→	मत्स्यः

© New Saraswati House (India) Private Limited

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

मृगः	–	हिरण	**मालाकारः**	–	माली	**सरः**	–	तालाब
अनलः	–	अग्नि	**जनकः**	–	पिता	**गायकः**	–	गाने वाला
चातकः	–	पपीहा	**भ्रमरः**	–	भौंरा	**चित्रकः**	–	चीता
पादपः	–	पौधा	**वानरः**	–	बंदर	**श्येनः**	–	बाज
मूषकः	–	चूहा	**काकः**	–	कौवा	**तापसः**	–	तपस्वी
वृषभः	–	बैल	**वृक्षः**	–	पेड़	**मूर्तिकारः**	–	मूर्ति बनाने वाला
उलूकः	–	उल्लू	**शिक्षकः**	–	अध्यापक	**श्वेतः**	–	सफ़ेद
श्रमिकः	–	मज़दूर	**निशाकरः**	–	चंद्रमा	**नृपः**	–	राजा
अनिलः	–	हवा	**नायकः**	–	हीरो	**नर्तकः**	–	नाचने वाला
कुक्कुटः	–	मुर्गा	**सिंहः**	–	शेर	**व्याघ्रः**	–	बाघ
नारिकेलः	–	नारियल	**कच्छपः**	–	कछुआ	**मत्स्यः**	–	मछली
शशकः	–	खरगोश	**कुम्भकारः**	–	कुम्हार	**चित्रकारः**	–	चित्र बनाने वाला
पिकः	–	कोयल	**भुजंगः**	–	साँप	**पाषाणः**	–	पत्थर
भल्लुकः	–	भालू	**नभः**	–	आकाश	**नीलः**	–	नीला

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों में से अकारान्त पुंल्लिंग शब्द छाँटिए–

शुकः, रमा, हरिः, रमेशः, उलूकः, ऋतुः, कृष्णः, फलम्, बिडालः, पत्रम्, नभः, पादपः, कविता, रविः, नृपः, शिक्षकः

अकारान्त पुंल्लिंग – ....

....

2. चित्रों को शब्दों से मिलाइए।

चित्र		शब्द
(क)		(*i*) सरः
(ख)		(*ii*) काकः
(ग)		(*iii*) कपोतः
(घ)		(*iv*) निशाकरः
(ङ)	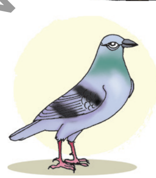	(*v*) वृक्षः
(च)		(*vi*) मत्स्यः

© New Saraswati House (India) Private Limited

3. उदाहरण के अनुसार रिक्तस्थान भरिए।

उदाहरण– पौधा — पादपः

(क) कोयल — ....कः

(ख) कछुआ — ....च्छपः

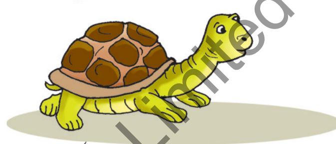

(ग) अग्नि — अन..........

(घ) पपीहा — चा..........कः

(ङ) भौंरा — ....मरः

(च) पत्थर — पाषा..........

(छ) पिता — ....नकः

© New Saraswati House (India) Private Limited

क्रियाकलापः

1. विभिन्न पशुओं और पक्षियों के चित्र अपनी संचिका में चिपकाएँ और अपने शिक्षक की सहायता से संस्कृत में उनके नाम लिखें।
2. अपनी कक्षा के ऐसे छात्रों की सूची बनाएँ, जिनके नाम अकारान्त हों।

शीघ्रं शीघ्रम्

कथयत खादति कथं छागलः।
शीघ्रं शीघ्रम्। शीघ्रं शीघ्रम्।।

कथयत चर्वति कथं वानरः।
शीघ्रं शीघ्रम्। शीघ्रं शीघ्रम्।।

© New Saraswati House (India) Private Limited

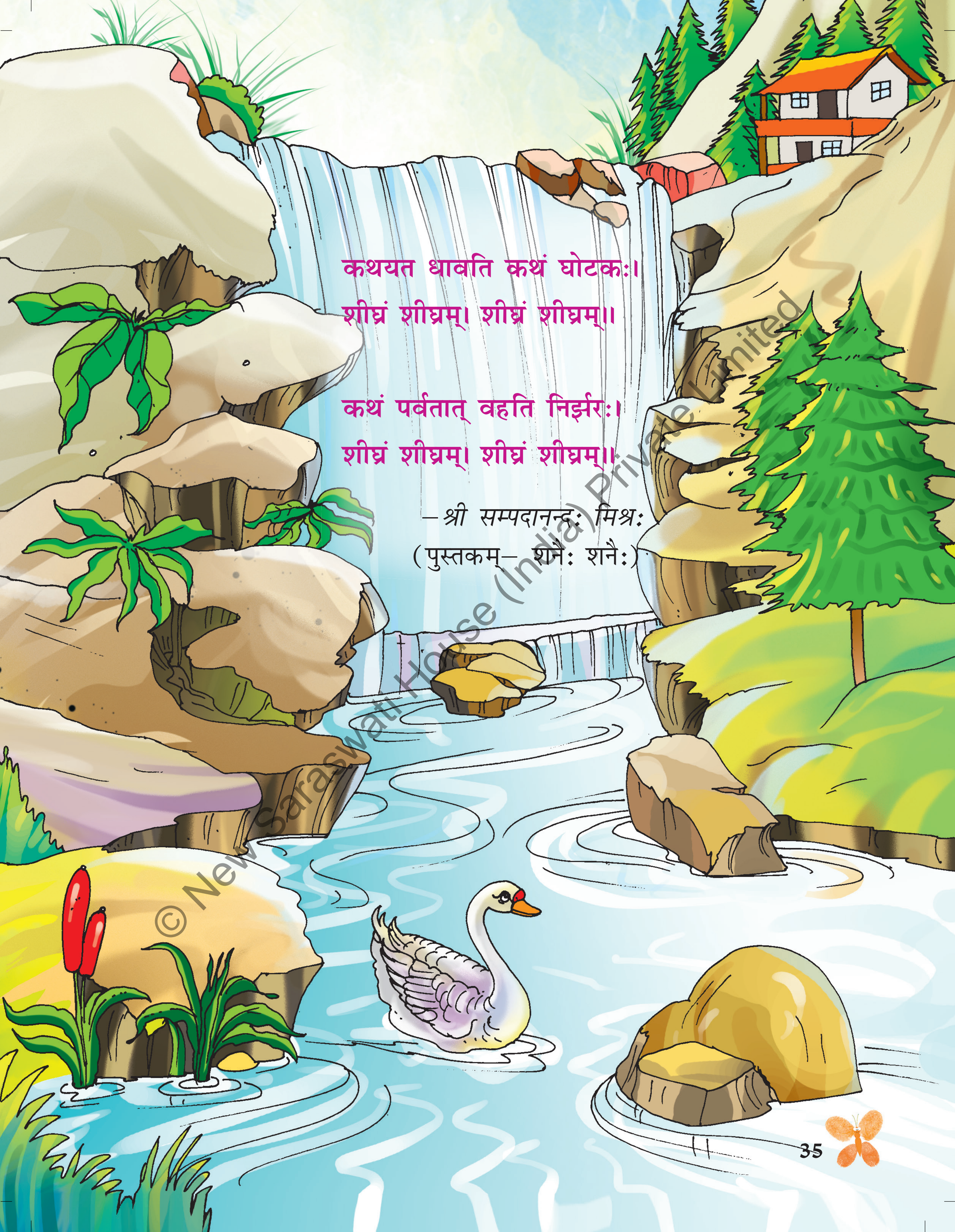

कथयत धावति कथं घोटकः।
शीघ्रं शीघ्रम्। शीघ्रं शीघ्रम्।।

कथं पर्वतात् वहति निर्झरः।
शीघ्रं शीघ्रम्। शीघ्रं शीघ्रम्।।

–श्री सम्पदानन्दः मिश्रः
(पुस्तकम्– शनैः शनैः)

© New Saraswati House (India) Private Limited

5

आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द

आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों में कोई परिवर्तन नहीं होता, वे उसी रूप में भाषा में प्रयोग किए जाते हैं। जैसे–

अम्बा

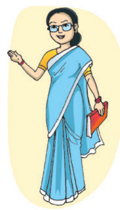

अध्यापिका

सेविका

बाला

गायिका

छात्रा

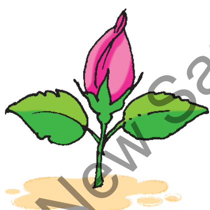

कलिका

लता

शिला

वर्षा

वाटिका

शाखा

© New Saraswati House (India) Private Limited

चटका

कोकिला

वर्तिका

सारिका

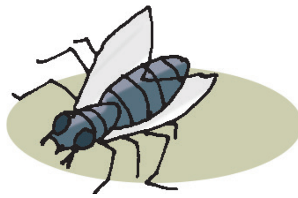

मक्षिका

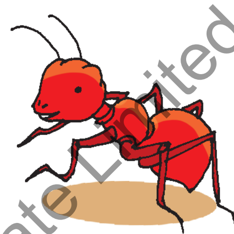

पिपीलिका

नौका

गदा

कपाटिका

आसन्दिका

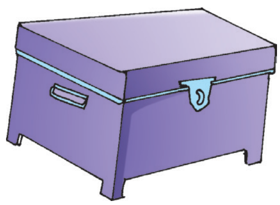

पेटिका

घटिका

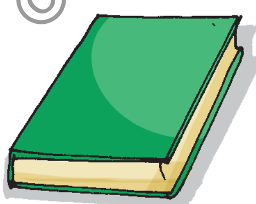

पुस्तिका

मुद्रिका

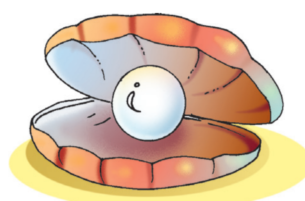

मुक्ता

© New Saraswati House (India) Private Limited

कुछ अन्य आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द हैं–

माला	कन्या	शाला	पाठशाला	यज्ञशाला
पाकशाला	अश्वशाला	गौशाला	सूचिका	मापिका
पाचिका	मञ्जूषा	निशा	धरा	अजा
महिला	ध्वजा	पादुका	कुञ्चिका	द्राक्षा
तुला	जन्तुशाला	परिचारिका	तालिका	पत्रिका
नायिका	जिह्वा	ग्रीवा	नासिका	गणना

विशेष– अकारान्त पुंल्लिग शब्दों से आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द 'आ' या 'इका' लगाकर बनाए जा सकते हैं; जैसे–

अकारान्त पुंल्लिग		**आकारान्त स्त्रीलिंग**
कोकिल	(कोकिल + आ)	कोकिला
बालक	(बालक + इका)	बालिका

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

बाला	– लड़की	**नौका**	– नाव	**परिचारिका**	– नर्स
कन्या	– लड़की	**चटका**	– चिड़िया	**जन्तुशाला**	– चिड़ियाघर
शाला	– भवन	**शिला**	– चट्टान	**आसन्दिका**	– कुर्सी
पाठशाला	– विद्यालय	**निशा**	– रात्रि	**लता**	– बेल
यज्ञशाला	– यज्ञ का स्थान	**पिपीलिका**	– चींटी	**तालिका**	– सूची
पाकशाला	– रसोई	**कोकिला**	– कोयल	**नायिका**	– हीरोइन
अश्वशाला	– घुड़साल	**जिह्वा**	– जीभ	**वर्तिका**	– बतख
कलिका	– कली	**पादुका**	– चप्पल	**गणना**	– गिनती
सूचिका	– सुई	**कुञ्चिका**	– कुंजी	**पुस्तिका**	– कॉपी
अम्बा	– माता	**मुद्रिका**	– अंगूठी	**सारिका**	– मैना
पाचिका	– खाना बनाने वाली	**कपाटिका**	– अलमारी	**मापिका**	– फुट्टा
गायिका	– गाने वाली	**द्राक्षा**	– अंगूर	**मुक्ता**	– मोती
मक्षिका	– मक्खी	**वाटिका**	– बगीची	**पेटिका**	– पेटी
छात्रा	– पढ़ने वाली	**तुला**	– तराजू	**ग्रीवा**	– गर्दन
सेविका	– सेवा करने वाली	**शाखा**	– टहनी		

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

1. विशेष के अनुसार निम्नलिखित पुंल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

(क) अजः – .... (ख) बालः – ....

(ग) गायकः – .... (घ) कोकिलः – ....

(ङ) चटकः – .... (च) शिक्षकः – ....

(छ) नायकः – .... (ज) छात्रः – ....

2. शब्दों को अर्थों से मिलाइए।

	शब्द		अर्थ
(क)	अजा	(*i*)	मक्खी
(ख)	मक्षिका	(*ii*)	चींटी
(ग)	आसन्दिका	(*iii*)	टहनी
(घ)	शाखा	(*iv*)	अलमारी
(ङ)	शिला	(*v*)	कुर्सी
(च)	पिपीलिका	(*vi*)	चट्टान
(छ)	कपाटिका	(*vii*)	बकरी

2. चित्र देखकर संस्कृत शब्द लिखिए।

(क) ....

(ख) ....

(ग) 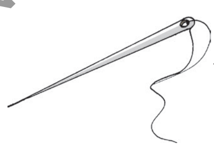 ....

(घ) ....

(ङ) ....

(च) ....

© New Saraswati House (India) Private Limited

क्रियाकलापः

1. उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थान भरकर शब्द बनाइए।

उदाहरण– बा → ल → 1. बाल
बा → ला → 2. बाला

(क) ..... → त्र → 1. ....
..... → त्रा → 2. ....

(ख) गायि → ..... → 1. ....
नायि → ..... → 2. ....

(ग) मक्षि → ..... → 1. ....
नायि → ..... → 2. ....

(घ) महि → ..... → 1. ....
तु → ..... → 2. ....

(ङ) नौ → ..... → 1. ....
वर्ति → ..... → 2. ....

(च) ..... → न्या → 1. ....
..... → लिका → 2. ....

2. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए।

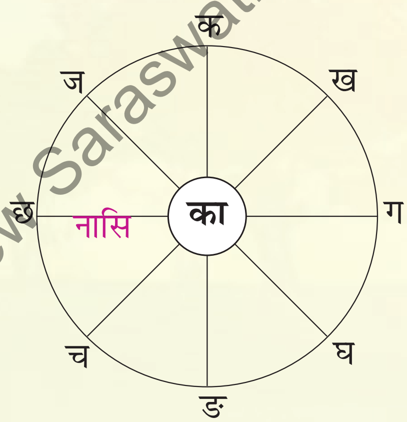

(क) ....
(ख) ....
(ग) ....
(घ) ....
(ङ) ....
(च) ....
(छ) नासिका
(ज) ....

3. अपनी कक्षा की उन छात्राओं के नाम लिखिए जिनके नाम आकारान्त हैं।

© New Saraswati House (India) Private Limited